रक्षा मंत्री ने 28 सितंबर 2016 को 35वीं तटरक्षक कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन किया

माननीय रक्षा मंत्री, श्री मनोहर पर्रिकर ने 28 सितंबर 2016 को तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में 35वीं तटरक्षक कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय एवं भारतीय तटरक्षक के वरिष्ठ अफसर, जिनमें महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम, अपर महानिदेशक एवं तटरक्षक क्षेत्रीय कमांडर सम्मिलित हैं, उपस्थित थे। सम्मेलन का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है, जिसमें सभी क्षेत्रीय कमांडर भविष्य की विस्तृत योजनाओ, नीतियों एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रणनीतियों पर चर्चा करते हैं। तीन दिन के सम्मेलन का उद्देश्य विभाग के लिए भविष्य की योजनाओं का निर्माण करना तथा उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के विभिन्न रणनीतियों को सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर अपने संबोधन के दौरान, माननीय रक्षा मंत्री ने, परिसंपत्तियों के परिनियोजन एवं तटीय सुरक्षा नेटवर्क चरण I के उपयोग के द्वारा समुद्री एवं तटीय सुरक्षा में वृद्धि करने के प्रयासों के लिए भारतीय तटरक्षक की प्रशंसा की, तथा तटीय सुरक्षा नेटवर्क चरण II के समय पर पूरा होने की उम्मीद प्रकट की। वर्तमान परिदृश्य के मद्देनजर उन्होंने, समुद्र के रास्ते राष्ट्र विरोधी तत्वों की घुसपैठ को नाकाम करने के लिए, गश्त बढ़ाकर तटीय सुरक्षा प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने का भारतीय तटरक्षक से आग्रह किया।

समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा के संवर्धन हेतु कर्त्तव्यों के निर्वहन में प्रदर्शित समर्पण एवं व्यावसायिकता के गुणों के लिए भारतीय तटरक्षक के अफसरों एवं कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए माननीय रक्षा मंत्री ने कहा कि तटरक्षक अपने आविर्भाव काल से ही नाविकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करती आ रही है।

उन्होंने भारतीय मत्स्य नौकाओं को जब्त होने से बचाने के लिए पाकिस्तान एवं श्रीलंका की सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर अथक प्रयास करने के लिए भारतीय तटरक्षक को बधाई दी। श्रीलंका की कैद में कोई मछुआरा न होने की सूचना से भी वे काफी खुश थे तथा उन्होंने जब्त भारतीय मत्स्य नौकाओं को छुड़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने का भारतीय तटरक्षक से अनुरोध किया।

रक्षा मंत्री ने संक्रियात्मक दक्षता तथा विभाग के संवर्धन संबंधित, चाहे वह जनशक्ति का हो अथवा नये अधिग्रहण का हो, सभी मामलों में रक्षा मंत्रालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने, अधीनस्थ अफसरों के सम्मेलन के आयोजन के द्वारा सभी रैंकों के समावेशन को बढ़ावा देने की भारतीय तटरक्षक की पहल का स्वागत किया तथा स्वदेशी पोतों की मांग के द्वारा भारत सरकार की नीति 'भारत निर्माण' का अनुसरण करने के लिए भी भारतीय तटरक्षक की प्रशंसा की। उन्होंने तटरक्षक कमांडर सम्मेलन की महान सफलता तथा अर्थपूर्ण विचार-विमर्श के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रकट कीं।

रक्षा मंत्री का स्वागत करते हुए, महानिदेशक भारतीय तटरक्षक ने समुद्री क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय तटरक्षक के सदैव तत्पर तथा सतर्क रहने का आश्वासन दिया। उन्होंने माननीय रक्षा मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय के पदाधिकारियों को उनके अनवरत सहयोग तथा समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।